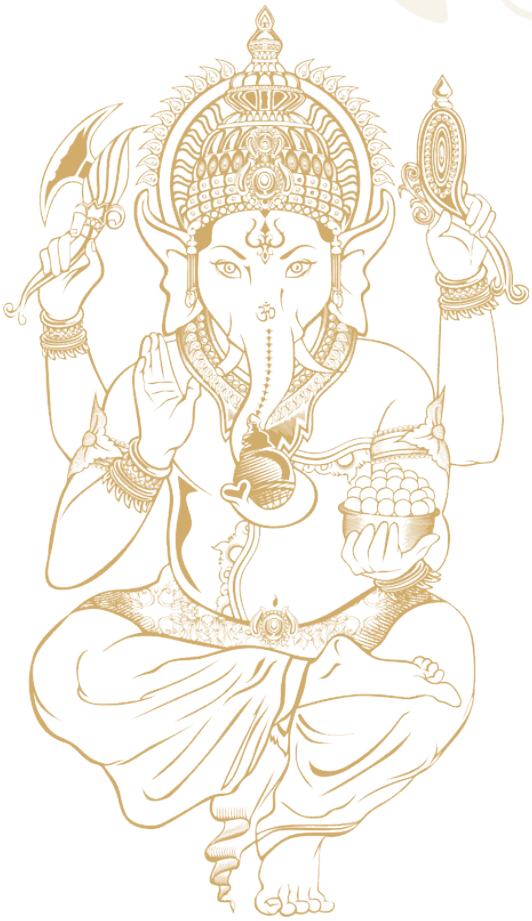

Mr.jatin

Ms.divya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120284001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120284001 Date: 23/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/07/1999	जन्म तिथि	30/11/1998
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:48:00	जन्म समय	14:45:00 घंटे
घटी 39:27:37	जन्म समय(घटी)	19:18:07 घटी
India	देश	India
Udaipur	स्थान	Udaipur
24:35:00 उत्तर	अक्षांश	24:36:00 उत्तर
73:41:00 पूर्व	रेखांश	73:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:16	स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:57	सूर्योदय	07:01:23
19:22:11	सूर्यास्त	17:45:32
23:50:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:20
कुम्भ	लग्न	मीन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	मीन
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	रेवती
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	4
विष्कुम्भ	योग	व्यतिपात
विष्टि	करण	बव
भो-भोजराज	जन्म नामाक्षर	ची-चित्रलता
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
नकुल	योनि	गज
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सिंह

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 11मा 20दि		26:46:22	कुंभ		लग्न		मीन	21:48:09	बुध 2वर्ष 1मा 13दि	
राहु		10:21:08	कर्क		सूर्य		वृश्चि	14:06:55	शुक्र	
16/07/2020		01:10:28	मक		चंद्र		मीन	28:20:17	13/01/2008	
17/07/2038		15:23:35	तुला		मंगल		कन्या	07:49:00	13/01/2028	
राहु	29/03/2023	08:39:33	कर्क	व	बुध	व	वृश्चि	17:06:29	शुक्र	14/05/2011
गुरु	22/08/2025	09:50:25	मेष		गुरु		कुंभ	24:48:31	सूर्य	14/05/2012
शनि	28/06/2028	11:10:23	सिंह		शुक्र		वृश्चि	21:51:53	चन्द्र	12/01/2014
बुध	15/01/2031	22:22:09	मेष		शनि	व	मेष	03:41:45	मंगल	14/03/2015
केतु	03/02/2032	19:05:05	कर्क	व	राहु	व	सिंह	01:52:25	राहु	14/03/2018
शुक्र	03/02/2035	19:05:05	मक	व	केतु	व	कुंभ	01:52:25	गुरु	12/11/2020
सूर्य	28/12/2035	21:24:26	मक	व	हर्ष		मक	15:43:31	शनि	13/01/2024
चन्द्र	28/06/2037	09:05:36	मक	व	नेप		मक	06:13:14	बुध	13/11/2026
मंगल	17/07/2038	14:01:27	वृश्चि	व	प्लूटो		वृश्चि	14:04:57	केतु	13/01/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:52 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:20

लग्न-चलित

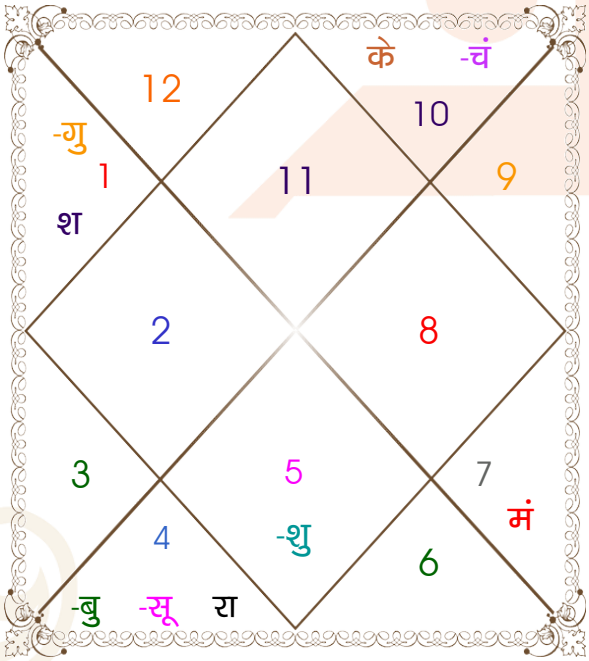

लग्न-चलित

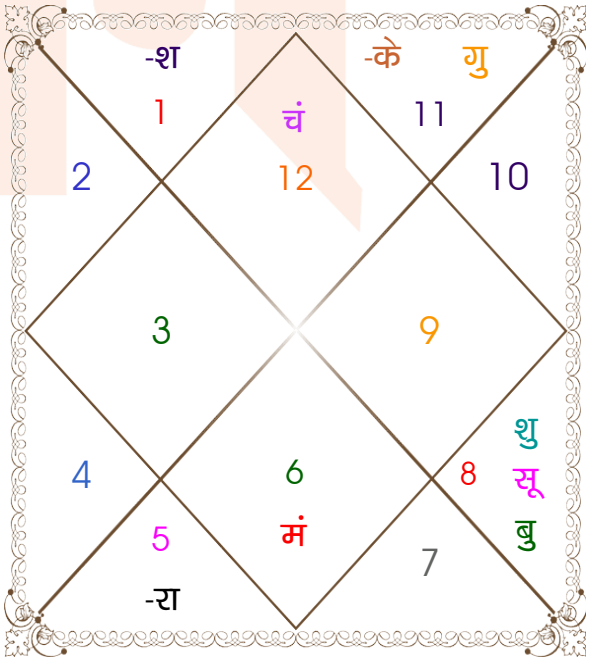

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

कुल : **19.5 / 36**

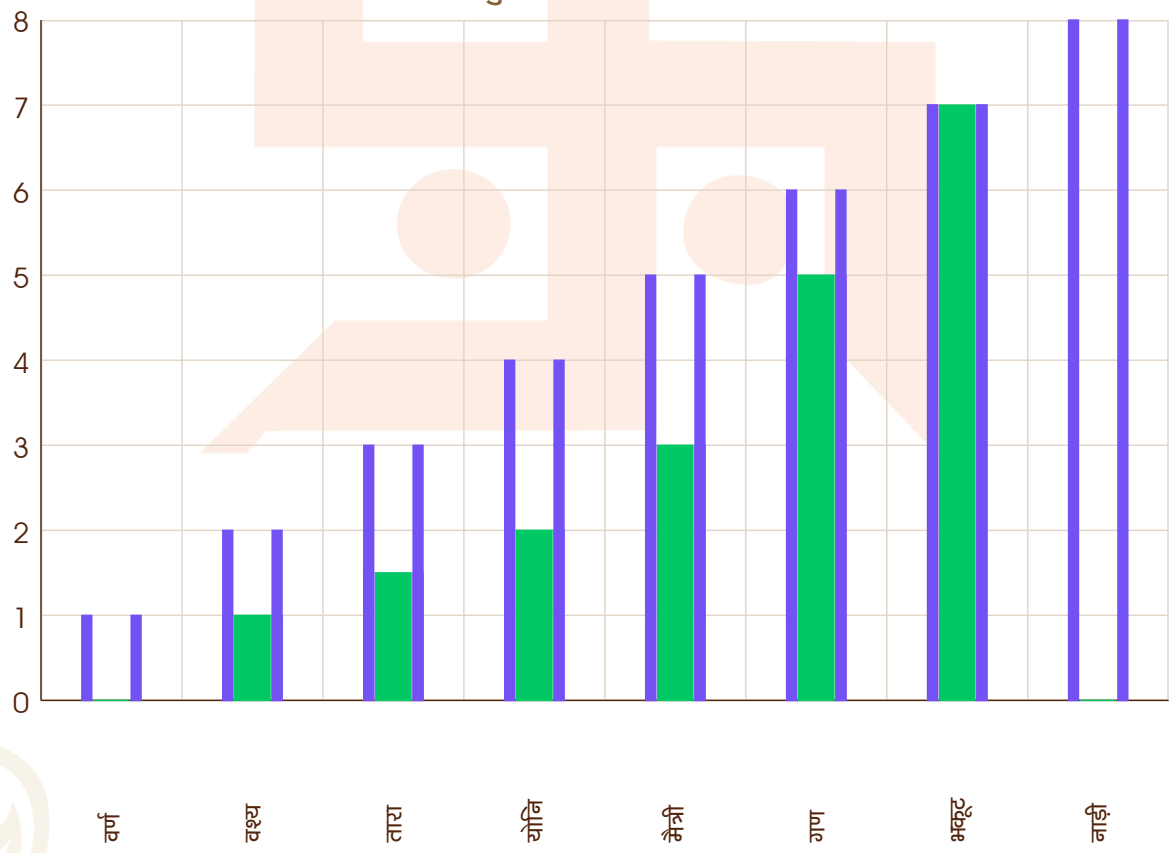

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.divya का नक्षत्र रेवती है।

Mr.jatin का वर्ग मूषक है तथा Ms.divya का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.jatin और Ms.divya का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.jatin मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms.divya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.jatin कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.jatin तथा Ms.divya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.jatin का वर्ण वैश्य है तथा Ms.divya का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.divya का वर्ण Mr.jatin के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.divya अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms.divya को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Mr.jatin का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.divya का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Mr.jatin एवं Ms.divya दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Mr.jatin एवं Ms.divya दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr.jatin की तारा क्षेम तथा Ms.divya की तारा वध है। Ms.divya की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.jatin एवं Ms.divya दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.divya अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr.jatin की योनि नकुल है तथा Ms.divya की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.jatin एवं Ms.divya दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr.jatin का गण मनुष्य तथा Ms.divya का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.divya सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Mr.jatin व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Mr.jatin अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Mr.jatin से Ms.divya की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Ms.divya से Mr.jatin की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.jatin अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Ms.divya सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Mr.jatin की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.divya की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.jatin एवं Ms.divya की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.jatin की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ms.divya की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। राशि के तत्वों में समानता होने के कारण Mr.jatin और Ms.divya के मध्य स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे इनके परस्पर संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.jatin की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.divya की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः Mr.jatin और Ms.divya की परस्पर मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सदभावना तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से हमेशा प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर सौहार्द का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति विश्वसनीय रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Mr.jatin एवं Ms.divya की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान पूर्वक ढंग से स्वीकार करेंगे तथा व्यक्तिगत मामलों में कम ही हस्तक्षेप करेंगे जिससे परस्पर सम्मान तथा सदभाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त Mr.jatin एवं Ms.divya की प्रवृति एक दूसरे के लिए त्यागशील रहेगी तथा सक्रिय रूप से एक दूसरे का ध्यान रखेंगे।

Mr.jatin एवं Ms.divya का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरूचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी एक ही होंगी। साथ ही काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः वैवाहिक जीवन के सुखद क्षणों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

Mr.jatin का वर्ण वैश्य तथा Ms.divya का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Mr.jatin की प्रवृति धनार्जन की रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Ms.divya शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगी। अतः यदा कदा कार्य क्षेत्र में परस्पर मतभेद या असमानता का भाव उत्पन्न हो सकता है परन्तु सामान्यतया इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

Mr.jatin और Ms.divya की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.jatin और Ms.divya की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

Ms.divya एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.jatin और Ms.divya दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Mr.jatin के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Mr.jatin को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.jatin और Ms.divya का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.jatin और Ms.divya के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.divya के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.divya को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.divya को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.jatin और Ms.divya सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.jatin और Ms.divya का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.divya के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के

मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.divya के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.divya अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.divya के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.jatin की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.jatin सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.jatin ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.jatin के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com